CENTENARY YEAR OF ANDHRA UNIVERSITY

Spread across a sprawling 425-acre campus, Andhra University, Visakhapatnam, serves as a self-sustained city of learning, defined by its 215 buildings and a rich ecosystem celebrated for its biodiversity. This academic campus hosts 58 departments and 16 specialized research centers, reflecting a deep-seated commitment to modern pedagogy. The campus is equipped with 188 ICT-enabled classrooms, state-of-the-art computer and GIS laboratories, and 76 seminar halls, all strategically designed to provide students with learning opportunities that align with the university's rigorous objectives.

Beyond academics, student life is carefully nurtured within a robust residential infrastructure. The university features 33 hostels—23 for men and 10 for women—accommodating over 5,200 students, with two specifically dedicated to international scholars. Holistic well-being is prioritized through two Residential Health Centres and a wide range of amenities, including four guest houses, central banking facilities, an employment guidance bureau, and a comprehensive sports complex complete with a modern gymnasium.

The true measure of the university lies in its unparalleled legacy of distinguished alumni. Nobel laureate Sir C.V. Raman was instrumental in laying the research foundations in Physics here, while the field of statistics reveres alumnus Prof. C.R. Rao, a world-renowned statistician. Other notable figures who have walked these halls include Dr. Neeli Bendapudi, President of Penn State University; Shri M. Venkaiah Naidu, former Vice-President of India; and high-ranking global leaders at the FDA and Bank of America. The institution's impact is further highlighted by its five Shanti Swarup Bhatnagar Awardees and several Padma award recipients.

Andhra University consistently prioritizes collaboration to enhance research and employability. In 2023, the university was awarded the prestigious Grade 'A++' with a score of 3.74 by NAAC, a mark of excellence. This reputation as a dynamic institution is bolstered by recent milestones, such as the establishment of "a-Hub," a 4-star rated incubation center fostering 135 start-ups, and "Algorithm," a digital zone featuring 25 smart classrooms.

In recent years, the university has expanded its reach through industry-aligned initiatives like the AU-SIB School of International Business, the AU-NASSCOM Centre of Excellence in Machine Intelligence & IoT, and the "ELEMENT" pharma incubation hub. From marine farming skill centers to international Buddhist meditation spaces, the institution continues to bridge the gap between academic research and societal impact. As it celebrates its centenary, Andhra University is not merely resting on its laurels but is evolving with a focus on maintaining the highest standards in teaching and research, paving the way for another century of excellence.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on Centenary Year of Andhra University and honor its contribution in nation building through excellence in education.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Neetu Arora
Text	:	Based on information received from the proponent.

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
Department of Posts



आंध्र विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष

Centenary Year of Andhra University



विवरणिका BROCHURE

आंध्र विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष

425 एकड़ में फैले 215 भवनों वाले आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्नम, का विशाल परिसर अधिगम को समर्पित किसी आत्मनिर्भर नगर से कम नहीं है। इसके अलावा, यह अपनी समृद्धशाली जैव विविधता के लिए भी प्रसिद्ध है। इस शैक्षिक परिसर में मौजूद 58 विभाग और 16 विशेषीकृत अनुसंधान केंद्र अत्याधुनिक शिक्षण–प्रशिक्षण के प्रति इसकी गहन प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में 188 आईसीटी–सक्षम कक्षाएँ, अत्याधुनिक कंप्यूटर्स और जीआईएस प्रयोगशालाएँ तथा 76 संगोष्ठी कक्ष मौजूद हैं। इन सभी सुविधाओं को विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप अधिगम के समुचित अवसर प्रदान करने हेतु डिजाइन किया गया है।

विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अकादमिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के अतिरिक्त उन्हें शानदार आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध कारवाई जाती हैं ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि पुरुषों के लिए 23 और महिलाओं के लिए 10 छात्रावासों सहित विश्वविद्यालय में कुल 33 छात्रावास हैं, जिनमें 5200 से अधिक विद्यार्थी ठहरते हैं। उक्त में से दो छात्रावास विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय अध्येताओं के लिए सुरक्षित रखे गए हैं। समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में दो आवासीय स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा यहाँ चार अतिथि गृह, केंद्रीय स्तर की बैंकिंग सुविधाएँ, रोजगार मार्गदर्शन ब्यूरो और आधुनिक व्यायामशाला के साथ–साथ एक विशाल खेल परिसर भी उपलब्ध है।

इस विश्वविद्यालय की सफलता का वास्तविक मानदंड इसके प्रतिष्ठित पूर्व–विद्यार्थियों की अद्वितीय विरासत है। उल्लेखनीय है कि नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन ने यहां भौतिकी विषय में शोध की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि यहीं के पूर्व–छात्र और सांख्यिकी के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध सांख्यिकीविद् प्रोफेसर सी.आर. राव का नाम आज भी बड़े सम्मान से लिया जाता है। आंध्र विश्वविद्यालय से जुड़ी अन्य उल्लेखनीय हस्तियों में पेन स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रेसिडेंट डॉ. नीली बेन्दापुडी; भारत के पूर्व–उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू; और एफडीए तथा बैंक ऑफ अमेरिका जैसे संस्थानों में उच्च पद हासिल कर वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने वाले तमाम व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा, इस विश्वविद्यालय के पूर्व–विद्यार्थियों को पांच बार शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और विभिन्न पद्म पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में इसकी प्रतिष्ठा को प्रतिबिम्बित करते हैं।

अनुसंधान और रोजगार–योग्यता को बढ़ाने हेतु आंध्र विश्वविद्यालय हमेशा से सहयोग समझौतों को प्राथमिकता देता रहा है। वर्ष 2023 में, इस विश्वविद्यालय को एनएएसी द्वारा 3.74 के स्कोर के साथ प्रतिष्ठित ग्रेड 'A++' प्रदान किया गया। हाल ही में, विश्वविद्यालय द्वारा 135 स्टार्ट–अप्स को पोषित करने वाले 4–स्टार रेटिंग इनक्यूबेशन सेंटर ''ए–हब'' और 25 स्मार्ट कक्षाओं से लैस डिजिटल जोन ''एल्गोरिदम'' की स्थापना की है। यह प्रगतिशील संस्थान के रूप में इस विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और भी बल प्रदान करता है।

विगत वर्षों में, विश्वविद्यालय ने एयू–एसआईबी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बिजनस, एयू–नैसकॉम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मशीन इंटेलिजेंस एंड आईओटी तथा ''एलिमेंट'' फार्मा इनक्यूबेशन हब जैसी उद्योग–संरेखित पहलों के माध्यम से अपना व्यापक विस्तार किया है। यह संस्थान समुद्री कृषि कौशल केंद्रों से लेकर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध ध्यान केन्द्रों तक, शैक्षणिक अनुसंधान और सामाजिक सरोकारों के बीच अनवरत रूप से संतुलन बनाने का कार्य कर रहा है। आंध्र विश्वविद्यालय अपने शताब्दी समारोह के अवसर पर सौ वर्ष के इस दीर्घ कालखंड में अर्जित अपनी शानदार उपलब्धियों पर न केवल गौरव का अनुभव कर रहा है बल्कि शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उच्चतम मानकों को अक्षुण्ण रखने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, खुद को इस प्रकार से विकसित कर रहा है कि उत्कृष्टता की एक और सदी के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके।

डाक विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है; और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान की सराहना करता है।

आभार:

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे पाठ : सुश्री नीतू अरोड़ा

: प्रस्तावक द्वारा प्रेषित सामग्री पर आधारित।

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्य	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रित डाक टिकटें	: 318060पैसे
Stamps Printed	: 318060p
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00